University in News on 20 July 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

प्रो. रमेश बने विधि संकाय के विभागाध्यक्ष

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय विधि संकाय में प्रो. रमेश कुमार वर्मा को विभागाध्यक्ष के पद पर तैनात किया गया है। इस पद पर वह 37वें प्रोफेसर हैं। उन्होंने पदभार शनिवार को ग्रहण कर लिया। इससे पहले प्रो. बीडी सिंह इस पद पर तैनात थे। (संवाद)

बीए, एमए व एमएससी के परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय व सहयुक्त महाविद्यालय के छात्रों का बीए, एमए और एमएससी का सेमेस्टर परिणाम शनिवार को जारी कर दिया गया। विवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बीए नॉन एनईपी पहले, दूसरे, चौथे और छठे सेमेस्टर का परिणाम जारी किया गया है। बीएससी नॉन एनईपी चौथे व छठे और बीएससी होम सांइस चौथे सेमेस्टर का परिणाम जारी हुआ है। एमएससी फिजिक्स दूसरे व एमए दूसरे सेमेस्टर का परिणाम घोषित हुआ है। छात्र www.lkouniv.ac.in पर जाकर परिणाम देख सकते हैं। (संवाद)

लविवि: 474 ने छोड़ी पीजी प्रवेश परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीजी प्रवेश परीक्षा के दौरान दोनों पालियों में 474 विद्यार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। सुबह की पाली में वनस्पति विज्ञान में 450 विद्यार्थियों में से 341 उपस्थित और 109 अनुपस्थित रहे। अर्थशास्त्र में 448 विद्यार्थियों में से 336 उपस्थित और 112 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में एमए, एमएससी व सांख्यिकी में 134 विद्यार्थियों में से 97 उपस्थित रहे। 37 अनुपस्थित रहे। एमए (एमआईएच) में 459 में 375 विद्यार्थी उपस्थित और 84 अनुपस्थित रहे। रसायन विज्ञान में 510 विद्यार्थियों में 378 उपस्थित जबकि 132 अनुपस्थित रहे। (संवाद)

लविवि: एनसीसी कैडेट्स की हुई रैंक सेरेमनी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को 64वीं यूपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी पीपीएस चौहान की विदाई समारोह के साथ कैडेट्स की रैंक सेरेमनी हुई। सभी कैडेट्स को अनुशासन,उत्कृष्टता और सेवा भावना के आधार पर अलग-अलग रैंक प्रदान की गई। सीनियर अंडर ऑफिसर के रूप में शशांक दुबे, अंडर ऑफिसर का दायित्व कुलदीप सिंह, अशुतोष सिंह व सिमरन पांडेय को सौंपा गया। कंपनी क्वार्टर मास्टर सार्जेंट सीक्यूएमएस के रूप में विक्रांत सिंह जलाल को रैंक दी गई। सार्जेंट के रूप में जनक सिंह, उत्कर्ष राज और अंशुल यादव को नियुक्त किया गया। कॉरपोरल पद पर मृदुल द्विवेदी, कृष्णा पाल, प्रखर रस्तोगी और त्रिपति कश्यप को रैंक दी गई। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

22 से 26 जुलाई तक कागजात का सत्यापन करा सकेंगे अभ्यर्थी

एलयू : छह विषयों में पीजी के लिए सीधे प्रवेश का मौका

मिशन एडमिशन

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2025-25 प्रवेश प्रक्रिया के तहत परास्नातक स्तर के छह पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश की सुविधा मिलेगी।इसके लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी 22 जुलाई से पात्रता जांच और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन करा सकते हैं।इस संबंध में प्रवेश समन्वयक की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव का कहना है कि प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व, वेस्टर्न हिस्ट्री, कंपोजिट हिस्ट्री, बायोस्टैटिस्टिक्स, संस्कृति और फ्रेंच पाठ्यक्रम में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास सीधे दाखिले का मौका रहेगा। यह सभी अपने आवेदन फॉर्म व सभी मूल अंकपत्र व प्रमाणपत्र और उनकी प्रतिलिपि लेकर संबंधित विभागों में जाकर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन करा लें। जिससे पात्र छात्र-छात्राओं का आनलाइन शुल्क जमा करवाने व प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण की जा सके। प्रवेश समन्वयक ने बताया कि 22, 23 व 24 जुलाई को एआईएच, 22 को वेस्टर्न हिस्ट्री, 23 व 25 को कंपोजिट हिस्ट्री, 22 को बायोस्टैटिस्टिक्स, 25 व 26 को संस्कृत और फ्रेंच विषय के लिए 25 जुलाई को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगा। इन सभी पाठ्यक्रमों के लिए अभ्यर्थियों को संबंधित विभाग को तय तिथि पर सुबह 10:30 बजे पहुंचना होगा।

- आवेदन फॉर्म व सभी मूल अंकपत्र व प्रमाणपत्र का विभागों में वेरिफिकेशन
- प्रवेश समन्वयक की ओर से इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए गए हैं

एकेटीयू में कांवड़ यात्रा के चलते रद्द परीक्षाएं 24 से

लखनऊ। एकेटीयू में सम सेमेस्टर द्वितीय चरण की कांवड़ यात्रा के चलते स्थगित हुई परीक्षाओं का संशोधित परीक्षा कार्यक्रम जारी किया गया है। जिसे परीक्षार्थी एकेटीयू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर दीपक नगरिया का कहना है कि 16 से 23 जुलाई तक आयोजित होने वाली परीक्षाओं को कांवड़ यात्रा के चलते स्थगित कर दिया गया था। अब इन परीक्षाओं का आयोजन 24 से 29 जुलाई तक किया जाएगा।

केएमसी ने खोला 25 तक संशोधन विंडो

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय ने पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए संशोधन विंडो खोल दिया है। इस संबंध में प्रवेश समन्वयक प्रो. सौबान सईद की ओर से विवि की आधिकारिक वेबसाइट पर सूचना जारी किया गया है। उन्होंने बताया है कि पंजीकृत आवेदक अपने लॉगिन के जरिए 25 जुलाई तक विवरण संशोधन, संबंधित प्रपत्र अपलोड कर सकते है। उन्होंने https://kmc luadm. samarth.edu.in/ लिंक भी जारी किया है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर जारी सूचना देखें।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 7

उत्तराखंड के राज्यपाल ने किया लविवि का दौरा

वनस्पति, प्राणी विज्ञान विभाग व टैगोर पुस्तकालय की सराहना

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय को उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) कुरमीत सिंह ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा किया। अपने विश्वविद्यालय दौरे के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया और संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों से संवाद किया।

इस दौरान उन्होंने संविधान स्थल पर डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके उपरांत उन्होंने वनस्पति विज्ञान विभाग और प्राणी विज्ञान विभाग का भ्रमण किया तथा अंत में टैगोर पुस्तकालय में अपने दौरे का समापन किया। वनस्पति विज्ञान विभाग में राज्यपाल ने संकाय सदस्यों से संवाद किया और विभाग के संजीवनी नामक औषधीय उद्यान की विशेष सराहना की। उन्होंने सूर्य की किरणों से प्रेरित इस डिजाइन और मेंथा (पुदीना) एवं आर्टीमिशिया जैसी सुगंधित और औषधीय पौधों की विविधता को सराहा। उन्होंने कहा कि मुगल काल में इत्र निर्माण के लिए पौधों की जड़ों से सुगंधित तत्वों का निष्कर्षण किया जाता था, जिनमें से कई आज भी उत्तराखंड में उगाए जाते हैं। उन्होंने इस परंपरा को अत्यंत रोचक क्षेत्र बताते हुए लखनऊ और अन्य क्षेत्रों की ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने संजीवनी नाम में ई की उपस्थिति को भी विशेष रूप से सराहा और कहा कि सुगंधित पौधों का इत्र उद्योग में विशाल संभावनाएं हैं, जिन्हें प्रोत्साहन देने के लिए सरकार अनुदान भी प्रदान कर रही है। इसके पश्चात राज्यपाल ने प्राणी विज्ञान विभाग का भ्रमण किया। उन्होंने संकाय और विद्यार्थियों से संवाद किया तथा प्राणी संग्रहालय का निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने एक सींग वाले गैंडे का कंकाल, एशियाई हाथी, 1.5 मीटर लंबा केंचुआ तथा वीनस फ्लावर बास्केट जैसे दुर्लभ और विविध प्रजातियों के नमूनों की सराहना की। उन्होंने विभाग के 15 शोधार्थियों से भेंट की, जिनमें अधिकांश अपने शोध के प्रारंभिक चरण में थे और उनके ज्ञान और उत्साह की प्रशंसा की। इसके बाद वे टैगोर पुस्तकालय पहुंचे, जहाँ प्रो. केया पांडे (मानद पुस्तकालयाध्यक्ष) एवं सहायक पुस्तकालयाध्यक्षों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने डिजिटल पुस्तकालय प्रणाली, प्राचीन चित्रकृतियों, भारतीय संविधान की मूल प्रति, दुर्लभ पांडुलिपियों और 'शब्दभेद' संग्रह में विशेष रुचि दिखाई। राज्यपाल ने रक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन विभाग के परास्नातक विद्यार्थियों से भी बातचीत की। दौरे के पश्चात उन्होंने कहा कि वे विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों और शिक्षकों की संपूर्ण प्रतिबद्धता और ज्ञान के प्रति समर्पण से अत्यंत प्रभावित हुए हैं। उन्होंने विशेष रूप से कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की नेतृत्व क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि यह उत्कृष्टता उनके दूरदर्शी नेतृत्व से ही संभव हुई है।

उत्तराखंड के राज्यपाल ने मनकामेश्वर मंदिर मे पूजा अर्चना की

लखनऊ। उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह ने शनिवार को डालीगंज के प्राचीन शिवालय श्रीमनकामेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की और भगवान का आशीर्वाद लिया। महंत देव्यागिरी ने महामहिम राज्यपाल को श्री मनकामेश्वर भगवान की तस्वीर, तलवार और फल देकर सम्मानित किया।

TOI PAGE 5

U'khand Guv praises literary heritage at LU

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Uttarakhand Governor Lieutenant General Gurmit Singh visited Lucknow University on Saturday and praised its botanical and zoological heritage. He found the rich collection of books at the Tagore Library impressive.

Uttarakhand Governor Lt Gen Gurmit Singh at LU

"Uttarakhand Governor visited the Samvidhan Sthal and offered tribute at Dr BR Ambedkar's statue. He visited the departments of botany and zoology, culminating his tour with a visit to the Tagore Library," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

He said the governor engaged with faculty members.

Srivastava said the governor toured the zoology department and visited its museum, expressing great admiration for its rare and diverse specimen collection. He interacted with 15 PhD scholars, most of whom were in the early stages of their research, and lauded their depth of knowledge and enthusiasm.

At the Tagore Library, the governor looked at the original copy of the Indian Constitution, rare manuscripts, the ShabdBhed collection, and a copy of the Guru Granth Sahib.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

उत्तराखंड के राज्यपाल का लविवि में दौरा

गुरमीत सिंह ने की वनस्पति एवं प्राणीविज्ञान विभाग और टैगोर पुस्तकालय की सराहना

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा किया। विश्वविद्यालय दौरे के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया और संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों से संवाद किया। दौरे की शुरूआत उन्होंने संविधान स्थल से की, जहां उन्होंने गहरा सम्मान प्रकट करते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने वनस्पति विज्ञान विभाग और प्राणी विज्ञान विभाग का भ्रमण किया तथा अंत में टैगोर पुस्तकालय में अपने दौरे का समापन किया।

वनस्पति विज्ञान विभाग में राज्यपाल ने संकाय सदस्यों से संवाद किया और विभाग के संजीवनी नामक औषधीय उद्यान की विशेष सराहना की। उन्होंने सूर्य की किरणों से प्रेरित इस अद्वितीय डिजाइन और मैंथा (पुदीना) एवं आर्टिमिसिया जैसी सुगंधित और औषधीय पौधों की विविधता को सराहा। उन्होंने कहा कि मुगल काल में इत्र निर्माण के लिए पौधों की जड़ों से सुगंधित तत्वों का निष्कर्षण किया जाता था, जिनमें से कई आज भी उत्तराखंड में उगाए जाते हैं। उन्होंने इस परंपरा को अत्यंत रोचक क्षेत्र बताते हुए लखनऊ और अन्य क्षेत्रों की ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने संजीवनी नाम में ई की उपस्थिति को भी विशेष रूप से सराहा और कहा कि सुगंधित पौधों का इत्र उद्योग में विशाल संभावनाएं हैं, जिन्हें प्रोत्साहन देने के लिए सरकार अनुदान भी प्रदान कर रही है। इसके बाद राज्यपाल ने प्राणी विज्ञान विभाग का भ्रमण किया। उन्होंने संकाय और विद्यार्थियों से संवाद किया तथा प्राणी संग्रहालय का निरीक्षण किया। उन्होंने एसओयूएल डिजिटल पुस्तकालय प्रणाली, प्राचीन चित्रकृतियों, भारतीय संविधान की मूल प्रति, दुर्लभ पांडुलिपियों और शब्दभेद संग्रह में विशेष रुचि दिखाई। जब उन्होंने वहां संविधान की आठ मौलिक प्रतियों में से एक को देखा तो वे गहरे भावविभोर हो गए।

लविवि के एनसीसी कैडेट्स रैंक सेरेमनी सम्पन्न

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। 64 यूपी बटालियन एनसीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को विदाई कार्यक्रम एवं रैंक प्रदान समारोह सम्पन्न हुआ। यह आयोजन कैडेट्स की उत्कृष्ट सेवाओं को सम्मानित करने के साथ-साथ ही बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पीपीएस चौहान को विदाई देने के लिए आयोजित किया था। समारोह के मुख्य अतिथि कर्नल पीपीएस चौहान (कमांडिंग ऑफिसर) थे। उनके साथ मंच 64 यूपी बटालियन के एडम ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल अनिमेष राय, एनओ लेफ्टिनेंट डॉ. रजनीश कुमार यादव, सुबेदार मेजर आशीष सिंह और अन्य पीआई स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सभी गणमान्य अतिथियों ने कैडेट्स को उनके नए पदों पर शुभकामनाएं दीं और भविष्य में अनुशासन और समर्पण के साथ कार्य करते रहने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर कैडेट्स को उनकी अनुशासनप्रियता, उत्कृष्टता और सेवा भावना के आधार पर विभिन्न रैंक प्रदान किए गए। सीनियर अंडर ऑफिसर के रूप में शशांक दुबे को नियुक्त किया गया। अंडर ऑफिसर का दायित्व कुलदीप सिंह, अशुतोष सिंह एवं सिमरन पांडेय को सौंपा गया।

एनसीसी कैडेट्स की रैंक सेरेमनी आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 64 यूपी बटालियन एनसीसी द्वारा रैंक सेरेमनी का आयोजन शनिवार को किया गया। इस अवसर पर बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पी.पी.एस. चौहान को विदाई दी गई और कैडेट्स को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कैडेट्स को उनकी अनुशासनप्रियता, उत्कृष्टता और सेवा भावना के आधार पर विभिन्न रैंक प्रदान किए गए। सीनियर अंडर ऑफिसर के रूप में शशांक दुबे को नियुक्त किया गया, जबकि अंडर ऑफिसर का दायित्व कुलदीप सिंह, अशुतोष सिंह और सिमरन पांडेय को सौंपा गया अपने विदाई संबोधन में कर्नल पी.पी.एस. चौहान ने कहा कि एनसीसी केवल एक प्रशिक्षण संस्था नहीं है, बल्कि यह युवा वर्ग में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व और सेवा की भावना को सशक्त करती है। कार्यक्रम के अंत में 64 उत्तर प्रदेश बटालियन एनसीसी की ओर से कमांडिंग ऑफिसर कर्नल पी.पी.एस. चौहान को उनके नेतृत्व और सेवाओं के सम्मानस्वरूप एक स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : परास्नातक के छह पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश

जासं● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक के छह पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश की सुविधा मिलेगी। इनमें प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, वेस्टर्न हिस्ट्री, कंपोजिट हिस्ट्री, बायो स्टैटिस्टिक्स, संस्कृत और फ्रेंच शामिल हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने इसकी सूचना वेबसाइट पर जारी की है। प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, वेस्टर्न हिस्ट्री और बायो स्टैटिस्टिक्स पाठ्यक्रम में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को 22 जुलाई, कम्पोजिट हिस्ट्री वालों को 23 जुलाई को अभिलेख सत्यापन के लिए संबंधित विभाग में उपस्थित होना होगा।

विधि संकाय के अध्यक्ष बने प्रो. रमेश वर्मा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के 37वें विभागाध्यक्ष और संकायाध्यक्ष के रूप में प्रो. रमेश कुमार वर्मा ने शनिवार को कार्यभार ग्रहण किया। प्रो. बीडी सिंह ने अपना कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण किया। विभाग के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने उन्हें शुभकामनायें दीं।

HT PAGE 6

Uttarakhand governor tours LU

LUCKNOW: Uttarakhand governor Lt Gen (Retd.) Gurmit Singh visited Lucknow University on Saturday, touring Samvidhan Sthal, Botany and Zoology departments, and the Tagore Library. He appreciated the Sanjeevani herbal garden's design and medicinal plants, viewed rare specimens like a one-horned rhino skeleton and a 1.5-metre earthworm at the Zoological Museum, and saw ancient paintings, rare manuscripts, and an original copy of the Indian Constitution at the library.

AMRIT VICHAR PAGE 9

उत्तराखंड के राज्यपाल ने लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा किया

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- **वनस्पति और प्राणि विज्ञान विभागों और टैगोर पुस्तकालय की सराहना की**

अमृत विचार: उत्तराखंड के राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय का दौरा किया, जहां उन्होंने विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया और संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं और छात्रों के साथ बातचीत की। राज्यपाल ने अपने दौरे की शुरुआत संविधान स्थल से की, जहां उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर गहरा सम्मान व्यक्त किया। इसके बाद, उन्होंने वनस्पति विज्ञान विभाग और प्राणी विज्ञान विभाग का भ्रमण किया और अंत में टैगोर पुस्तकालय में अपना दौरा समाप्त किया।

वनस्पति विज्ञान विभाग में, राज्यपाल ने संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की और विभाग के "संजीवनी" नामक औषधीय उद्यान की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने सूर्य की किरणों से प्रेरित इसके अद्वितीय डिजाइन और मेन्थ (पुदीना) और आर्टेमिसिया जैसे सुगंधित और औषधीय पौधों की विविधता की प्रशंसा की। उन्होंने उल्लेख किया कि मुगल काल में इत्र बनाने के लिए पौधों की जड़ों से सुगंधित तत्वों को निकाला जाता था, जिनमें से कई आज भी उत्तराखंड में उगाए जाते हैं। उन्होंने इस परंपरा को अत्यंत रोचक क्षेत्र बताते हुए लखनऊ और अन्य क्षेत्रों की ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने संजीवनी नाम में ई की उपस्थिति को भी विशेष रूप से सराहा और कहा कि सुगंधित पौधों का इत्र उद्योग में विशाल संभावनाएं हैं, जिन्हें प्रोत्साहन देने हेतु सरकार अनुदान भी प्रदान कर रही है। इसके बाद, राज्यपाल ने प्राणी विज्ञान विभाग का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने संकाय और छात्रों के साथ बातचीत की और प्राणी संग्रहालय का निरीक्षण किया। उन्होंने एक सींग वाले गैंडे का कंकाल, एशियाई हाथी, 1.5 मीटर लंबा केंचुआ, और वीनस फ्लावर बास्केट जैसे दुर्लभ और विविध प्रजातियों के नमूनों की सराहना की। उन्होंने विभाग के 15 शोधार्थियों से मुलाकात की, जिनमें से अधिकांश अपने शोध के प्रारंभिक चरण में थे, और उनके ज्ञान और उत्साह की प्रशंसा की।